!! पानी !!

की बोतल

!! सौतेली ऑंखें !!

बच्चे सवाल नहीं करते !
यह नहीं कहते की क्यूँ नहीं देते,
हाँ यह ज़रूर कहते हैं की दे दो !

जब नहीं मिलता तो उठा लेते हैं,
कहीं से भी, किसी भी तरह !
यह छोटे छोटे भगवान् यह भी नहीं जानते,
कि इसे चोरी कहते हैं, या बदतमीज़ी !

और जब चोर की तरह दुत्कारे जाते हैं,
गुलाम की तरह मारे जाते हैं,
तब सवाल करना सीख जाते हैं,
तब पूछते हैं,
टूटे बुत की निगाह की तरह,
कि भूख में रोटी,
हाथों में हुनुर,
अक्ल को तालीम,
नहीं दे सकते थे ,

तो पैदा क्यूँ किया ?

कुछ बच्चे यह सवाल पूछना न सीख लें,
और जवाब न मिलने पर,
कहीं जिद्दी और गुसैल न हो जाएँ !

कुछ बच्चे इन सवालों को पीना न सीख लें,
कि कुछ न मिलने पर,
मजदूर या अपंग हो जाएँ !

कुछ बच्चे बचा लिए जाएँ,
सम्भाल लिए जाएँ,
अपना लिए जाएँ !

इसी का ख्याल रखते हुए,
ए . आइ . ऍम . फॉर सेवा, चेन्नई ने,
सेवा संस्थान, सोलन में भी निर्माण किया !

इस संस्था के संस्थापक,
स्वामी दयानंद सरस्वती जी हैं !
स्वामी जी ने गुरुकुल पद्धति की प्रेरणा ले कर,
जगह जगह सेवा आश्रम का निर्माण किया है,
और अपने कर्म-योग के लिए सुप्रसिद्ध हैं !

ज़रूरत मंद बच्चों को,
भोजन कपडे और शिक्षा देना ही,
इस संस्थान का ध्येय है !
उनके ध्येय में उनका हाथ बटाने के लिए,
टाटा स्टील और मंगला साँस ने मिल कर,
पानी की बोतल और
कुछ लिखने- पढने का सामान बांटे !

AIM for SEVA

पहाड़ की कठिन ज़िन्दगी ने भी,
पहाड़ियों की जिंदादिली को असर नहीं किया है !
इन बच्चों की आँखों में वही बात देख कर,
अच्छा लगा की सेवा संस्थान की कोशिशों ने,
इन बच्चों में भी वही ज़िन्दगी बरक़रार रखी है !
थोड़ी सी ही सही,
उनके हिस्से की अब भी बहार रखी है !

पहाड़ की कठिन ज़िन्दगी ने भी,
पहाड़ियों की जिंदादिली को असर नहीं किया है !
इन बच्चों की आँखों में वही बात देख कर,
अच्छा लगा की सेवा संस्थान की कोशिशों ने,
इन बच्चों में भी वही ज़िन्दगी बरक़रार रखी है !
थोड़ी सी ही सही,
उनके हिस्से की अब भी बहार रखी है !

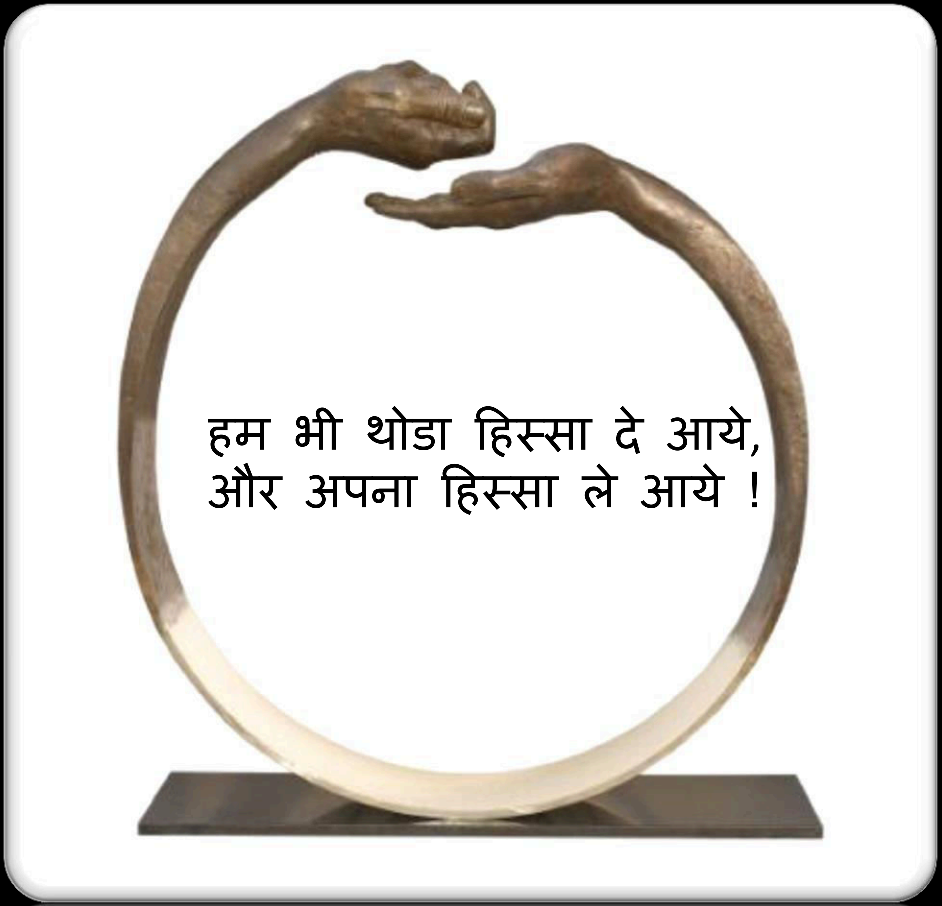
हम भी थोडा हिस्सा दे आये,
और अपना हिस्सा ले आये !

पानी की बोतलों का वितरण 14 दिसम्बर 2012 को सेवा संस्थान, सोलन में टाटा स्टील और मंगला सन्स द्वारा आयोजित किया गया !

धन्यवाद है हमारे आर. आइ.पी .डीलर साहनी ट्रेडर्स के हनी सहनी जी और सेवा संस्थान के आचार्य नवनीत का, जिनके सहयोग से यह कार्य संभव हो सका !